

के कारबाहे, अवधारी 'कागज/मुद्री बनाने के कारबाहे तका फल परिकल्पन एकों की स्वायत्ता का निर्णय दिहर राज्य में उद्योगों की स्वायत्ता करने सम्बन्धी कार्यक्रम के द्वारा के रूप में किया है।

"बियर" बनाने के हिस्ते जी वा प्रयोग

* 711. श्री इश्वरेष्वाल दास कहते हैं कि व्यापारी शिल्पिक विकास तथा सहायता वर्ती यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) व्यापार लाखों मन जी 'बियर' बनाने के काम में साथ आता है, जब कि साथ पदार्थ के रूप में जो उतना ही अच्छा है, जितना गहरा ; और

(ख) यदि हाँ, तो व्यापार व्यानिषेच की नीति तथा अनाज जैसे बचाने की आवश्यकता को व्यापार में रखते हुए सरकार का विचार 'बियर' बनाने के लिये जी का प्रयोग बन्द करने का है ?

अश्वेतिक दिक्षान राज्य सहायता वर्ती (अंग फरवरी नं ४८८५ : ४८८६) : (क) और (ख). बियर बनाने में लगभग 4,000 भी० टन जी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस प्रयोजन के लिये जी का इस्तेमाल मना किये जाने के बारे में कोई भी प्रस्ताव नहीं है।

फिर भी बियर को कुछ बचों से लाइसेंस दिये जाने पर रोक लगाये गये उद्योगों की मूली में रख दिया गया है और बियर बनाने के लिये कोई नये लाइसेंस नहीं दिये गये हैं।

श्रीलंका के साथ व्यापार

* 712. श्री यशवदन शर्मा :

श्री हुमस चन्द्र कल्याण :
श्री योकार लाल बेरठा :
श्री लेनी शंकर शर्मा :
श्री शो० प्र० त्यागी :
श्री प्रकाशशरीर शास्त्री :

श्री रामगोपाल शास्त्री :

श्री शिव कुमार शास्त्री :

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :

व्यापार व्यानिषेच मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) व्यापार सरकार का व्यापार दिनांक ५ जून, 1967 के 'इन्डियन एक्सप्रेस' समाचार पत्र के दिल्ली संस्करण में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि अंग लंका के व्यापार मंत्री ने भारत के साथ व्यापार कम करने की घोषणा की है ;

(ख) यदि हाँ, तो इस सम्बन्ध में सरकार को व्यापार प्रतिक्रिया है ; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप भारत का विदेशी मुद्रा की वित्ती हानि होगी ?

श्रीलंका राज्य (अंग दिनांक सिंह) :

(क) जी, हाँ। किन्तु हमें पता चला है कि समाचार वास्तव में सही नहीं है।

(ख) और (ग). प्रमाण नहीं उठते।

नेपाल को क्षमते का निर्यात

* 713. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :

श्री हुमस चन्द्र कल्याण :

श्री त्रिलोक शंकर शास्त्री :

श्री अर्जुन सिंह अर्जुनिया :

श्री शिव कुमार शास्त्री :

श्री राम गोपाल शास्त्री :

श्री अर्जुन लाल बेरठा :

डा० सूर्य प्रकाश पुरी :

व्यापार व्यानिषेच मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह बत्त है कि नेपाल को भारतीय मूद्री क्षमते का निर्यात कम हो गया है ;

(ख) यदि हाँ, तो व्यापार कमी का